लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2424

08 दिसम्बर, 2014 को उत्तर के लिए

इस्पात उत्पादन

2424. श्री निशिकान्त दुबे:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या इस्पात के उत्पादन में लगे सरकारी क्षेत्र के उपक्रम लौह अयस्क भी कोयले जैसे कच्चे माल की अधिप्राप्ति में समस्याओं का सामना कर रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है एवं इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या लौह अयस्क खानों तथा इस्पात संयंत्र हेतु भूमि अधिग्रहण तथा पर्यावरण संबंधी मंजूरी के लिए बहुत से आवेदन सरकार के पास स्वीकृति हेतु लंबित हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री **श्री विष्णु देव साय**

(क) और (ख) सेल लौह अयस्क संबंधी अपनी समस्त आवश्यकताओं को कैप्टिव लोह अयस्क खानों से और कोकिंग कोल की लगभग 15-20 प्रतिशत आवश्यकता को स्वदेशी स्रोतों से पूरा करता है। आरआईएनएल वर्तमान में अपनी 100 प्रतिशत लौह अयस्क आवश्यकताओं को बाजार कीमतों पर एनएमडीसी से प्राप्त कर रहा है और कोकिंग कोल आयातित स्रोतों से खरीद रहा है।

(ग) और (घ) लोहा और इस्पात नियंत्रणमुक्त क्षेत्र हैं। निजी और सार्वजनिक क्षेत्र ने लौह अयस्क खानों और इस्पात संयंत्रों, जिनके लिए सरकार का अनुमोदन अपेक्षित होता है, के संबंध में भूमि अधिग्रहण और पर्यावरणीय स्वीकृति से संबंधित मामले सूचित किए हैं। सरकार समेत हितधारकों के साथ अंतर-मंत्रालयीन समूह की बैठकों में इन मामलों को संबंधित प्राधिकारी के साथ उपयुक्त कार्रवाई किए जाने हेतु सुगम बनाया जाता है।

***